بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡد
لَا اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ
دفتر مجلس انصاراللہ بھارت
Office Of The Majlis Ansarullah Bharat
Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA

Mob:9682536974, E-Mail.: ansarullah@qadian.in 21.10.2022 محلہ احمدیہ قادیان143516 ضلع گورداسپور(پنجاب) انڈیا

अमरीका के दौरे 2022 के सफलता पूर्वक पूरा होने का विवरण, मेहमानों की अभिव्यक्तियाँ तथा अल्लाह तआला की कृपाओं के दृश्यों का वर्णन।

सारांश ख़ुत्बः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनसिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा 21 अक्तूबर 2022, स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद यू. के.।

أَشْهَدُ أَنْ لَّا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ. بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ. اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ. الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ. مٰلِكِ يَوْمِ الدِّيْنِ. اِيَّاكَ نَعْبُدُ وَ اِيَّاكَ نَسْتَعِيْنُ. اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيْمَ. صِرَاطَ الَّذِيْنَ اَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ. غَيْرِ الْمَغْضُوْبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّآلِّيْنَ.

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु ने फ़रमाया- पिछले दिनों मैं अमरीका की कुछ जमाअतों के दौरे पर था जो कि अत्यंत भली भांति पूरा हुआ। एम टी ए तथा अन्य जमाअती इलैक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से सारी ख़बरें आती रहीं जबकि दुनियावी चैनल भी काफ़ी कवरेज देते रहे। हर दृष्टि से अल्लाह तआला के फ़ज़्लों के दृश्य देखने में आए। अपनों तथा ग़ैरों पर अति सकारात्मक प्रभाव पड़े। लोगों की मुलाक़ात के बाद भावुक अभिव्यक्तियों की लम्बी सूचि है। हर जगह नमाज़ों में महिलाओं, बच्चों तथा अन्य लोगों की उपस्थिति व्यवस्थापकों की आशा से अधिक बढ़ कर होती थी। लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति से स्पष्ट दिखाई देता था कि उनके दिलों में ख़िलाफ़त से प्रेम, निष्ठा एवं वफ़ा है। पढ़े लिखे, अमीर ग़रीब, बच्चे बड़े तथा सांसारिक दृष्टि से व्यस्त लोग भी कई कई घन्टे मस्जिद के अन्दर नमाज़ में शामिल होने के लिए लाईन में लगते थे। इन लोगों में यह बदलाव इस बात का संकेत है कि अल्लाह तआला की कृपा से दीन तथा जमाअत की मुहब्बत और ख़िलाफ़त से सम्बंध अमरीका की जमाअत के लोगों के दिलों में है। ग्यारह बारह साल की आयु के बच्चे भी कोविड टैस्टिंग इत्यादि के कारण घन्टों लाईन में लगे रहते थे किन्तु कभी किसी ने कोई आपत्ति नहीं की।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया कि अल्लाह करे कि यह निष्ठा एवं श्रद्धा के दृश्य सदैव अमरीका की जमाअत के लोगों में क़ायम रहें तथा मस्जिदें भी इसी तरह आबाद रहें। अमरीका में लोग दीन को भूल जाते हैं परन्तु मुझे उनमें से अधिकांश में इसको आर ध्यान दिखाई दिया कि आर्थिक दृष्टि से भी कमज़ोर लोग अपने तथा अपने बच्चों के दीन से जुड़े रहन की विशेष रूप से दुआ करते थे। अल्लाह तआला उनकी निष्ठा एवं श्रद्धा को सदैव बढ़ाता रहे। लजना, अन्सार, ख़ुद्दाम तथा बच्चों ने भी बड़ परिश्रम से

इन दिनों अपनी ड्यूटियों का निर्वाह किया है। कई कई दिन जाग कर तय्यारियाँ कीं। उपस्थिति भी हर जगह हज़ारों में होती थी। बैतुर्रहमान में तो जलसे से भी अधिक उपस्थिति थी परन्तु बडो व्यवस्था के साथ काम को संभाला। अल्लाह करे कि अमरीका की जमाअत के लोगों में यह बदलाव अस्थाई न हो बल्कि सदा के लिए हो। अल्लाह तआला ने ग़ैरों के दिलों पर भी विशेष प्रभाव डाला है। अल्लाह तआला उनके सीने और अधिक खोले तथा ये लोग सत्य को पहचानने वाले बन जाएँ।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया कि ज़ायन में मस्जिद फ़त्ह अज़ीम के उदघाटन समारोह में 161 ग़ैर-मुस्लिम तथा ग़ैर अज़-जमाअत मेहमान आए जिनमें कांग्रेस मैन, कांग्रेस वूमैन, मेयर्ज़, डाक्टर्ज़, प्रोफ़ैसर्ज़, टीचर्ज़, वकील, इंजीनियर्ज़ तथा जीवन के विभिन्न वर्गों से सम्बंध रखने वाले लोग शामिल हुए। हुज़ूर-ए-अनवर ने अनेक मेहमानों की अभिव्यक्तियाँ पेश फ़रमाईं जिनमें से उदाहरण के रूप में कुछ पेश की जाती हैं। हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- ज़ायन नगर के मेयर बिली मैक्कनी (Billy McKinney) साहब ने अपनी अभिव्यक्ति में बयान किया कि मेरे लिए अहमदिया जमाअते मुस्लिमा के विश्व स्तरीय प्रमुख को मस्जिद फ़त्ह अज़ीम के उदघाटन समारोह पर अभिनन्दन करना अत्यंत सम्मान सूचक है। मेरी इच्छा है कि यह इबादतगाह हमारे अतीत एवं भविष्य के बीच एक पुल का काम करे। अहमदिया कम्युनिटी की ओर से इस नगर के लिए वैभव पूर्ण सेवाएँ की गईं हैं जिनके लिए मैं आभारी हूँ और हम इस नगर की चाबी इमाम जमाअते अहमदिया की सेवा में पेश करते हैं।

मेम्बर ऑफ़ इलिनोए (Illinois) जनरल एसैम्बली ऑनरेबिल जवाएस मैसन (Joyce Mason) ने कहा कि यहाँ ज़ायन में इस मस्जिद के एतिहासिक समारोह का अंश बनना मेरे लिए एक सम्मान की बात है। आज इस नगर के लिए यह एक एतिहासिक दिन है। इलैगज़न्डर डोवी ने इस नगर के द्वार अपने मानने वालों के अतिरिक्त सबके लिए बन्द कर दिए थे परन्तु आज इस नगर के द्वार समस्त लोगों के लिए खुले हैं तथा मैं इस पर अहमदिया कम्यूनिटी को मुबारकबाद देती हूँ। मेरी हार्दिक इच्छा है कि यह मस्जिद न केवल इस नगर अपितु चारों दिशाओं के लिए आशा ज्यूति बन जाए। मैं इस कम्यूनिटी को इस मस्जिद के उदघाटन पर मुबारकबाद देते हुए संसद में एक प्रस्ताव पेश कर रही हूँ। एक मेहमान जैनेफ़र कहती हैं कि यदि आपकी जमाअत के नियमों की बात की जाए तो वे सबसे उत्तम हैं। जब आप ज़ायन नगर में क़दम रखते हैं तो एक पुराने भवन पर एक माटो ''मुहब्बत सबके लिए नफ़रत किसी से नहीं'' का सन्देश दिखाई देता है तथा उसकी गूंज आपके साथ रहती है तथा यह ज़ायन नगर की मूल आत्मा है।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया कि डेलास में भी मस्जिद का उदघाटन हुआ जिसमें 140 ग़ैर मुस्लिम तथा ग़ैर अज़-जमाअत शामिल हुए। एलेन नगर (City of Allen) सिटी कौंसल के मेम्बर

जिन्होंने नगर की चाबी पेश की थी, कहा कि आज मस्जिद बैतुल इकराम के उदघाटन समारोह में शामिल होना एक अत्यंत सम्मान की बात है, मैं जमाअते अहमदिया को इसकी मुबारकबाद देता हूँ। हम अहमदिया जमाअत की सेवाओं की सराहना करते हैं जो इस नगर के निर्धनों की सहायता करते हैं। इस नगर का सौभाग्य है कि शांति प्रिय तथा मानवता की सेवा करने वाली कम्यूनिटी ने यहाँ मस्जिद बनाई है। मेरी इच्छा है कि यह मस्जिद इस नगर तथा इस क्षेत्र के लिए आशा की किरण साबित हो।

सदर्न यूनिवर्सिटीज़ (Southern Universities) के प्रोफ़ेसर डाक्टर राबर्ट हन्ट (Dr Robert Hunt) ने इस समारोह में आमन्त्रित करने पर अहमदिया जमाअत का धन्यवाद किया तथा कहा कि इमाम जमाअते अहमदिया दो गुणों को प्रचार प्रसार देने के लिए वक़्फ़ हैं जिनमें से पहली धार्मिक स्वतंत्रता तथा दूसरी धर्मों के बीच वार्ता तथा सम्बोधन है। इतिहास साक्षी है कि अहमदिया मुस्लिम जमाअत को अत्याचार का निशाना बनाया गया इसी कारण से यह जमाअत धार्मिक स्वतंत्रता लाने के प्रयासों में अग्रणीय रही है। जब तक हम एक दूसरे की धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान नहीं करेंगे, हम मतभेदों पर क़ाबू नहीं पा सकत।

एक मुसलमान मेहमान सुलतान चौधरी साहब ने कहा कि जमाअत अहमदिया के इमाम ने विश्व के लिए शांति का एक उत्तम सन्देश दिया है। एक मुसलमान मेहमान डा. हलीमुर्रहमान साहब ने कहा कि एक आयोजन का प्रबन्ध तथा आतिथ्य व्यवस्था विश्वास से परे थो, मैं इस आदर सतकार के योग्य नहीं था जो मुझे दिया गया। यह पूरा वातावरण देख कर आपके सम्मान जनक व्यवहार से मेरी आँखें भीग गई हैं। मुझे इस्लाम की वास्तविक शिक्षा पर अमल करने वाले उत्तम मनुष्यों के बीच समय व्यतीत करने का अवसर मिला।

एक महिला विकटोरिया साहिबा कहती हैं कि मुझे यहाँ सबसे स्पष्ट चीज़ जमाअत के इमाम का सम्बोधन लगा कि किस तरह धार्मिक भेद तथा विभिन्न विचारों के बावजूद हम सब आपस में एक दूसरे से जुड़े हैं और यह ऐसी बात है जिसकी आजकल धार्मिक वाताओं में कमी दिखाई देती है। फिर एक मेहमान महिला मैरी मैक्डरमट (Mary Mcdermott) जो कि इस मस्जिद की पड़ौसी हैं और जिनकी बहुत बड़ी ज़मीन है और जिन्होंने पार्किंग के लिए जगह भी दी थी, कहती हैं कि मैं पहले कभी भी ज़मीन के इस धूल भरे प्लाट से इतना ख़ुश नहीं हुई थी जितनी आज इस प्रोग्राम के लिए जगह देने से ख़ुश हूँ।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया कि डेलास से पचास मील की दूरी पर एक स्थान फ़ोर्ट वर्थ नामक में पौने पाँच एकड़ पर एक भवन ख़रीदा गया था जहाँ एक गुम्बद तथा दो मीनार निर्माण करने की योजना है ताकि मस्जिद का रूप दिया जाए, एक अच्छी जगह है, जमाअत के लोग यहाँ नमाज़ें भी पढ़ते हैं। मुझे

भी वहाँ मग़रिब तथा इशा की नमाज़ें पढ़ने का अवसर मिला। एक मेहमान ऐबे करक साहब जो फ़ोर्ट वर्थ में रहते हैं तथा डेलास में मस्जिद के उदघाटन पर आए हुए थे, कहते हैं कि जमाअत के इमाम ने ख़ुदा तआला की इच्छानुसार एक दूसरे के साथ मिल जुल कर काम करने का सन्देश अति सुन्दर रंग में दिया। अमन शांति तथा न्यूक्लियर युद्ध से बचाव का पैग़ाम मेरे लिए विशेष महत्त्व रखता है। फ़ोर्ट वर्थ से ही एक चर्च की मेम्बर जो डेलास में आई हुई थीं, कहती हैं कि पैग़ाम अति भव्य था। हर एक को ख़लीफ़ः के इस स्पष्ट सन्देश को अवश्य सुनना चाहिए। हाई स्कूल की एक टीचर कहती हैं कि ख़लीफ़ः की दो बातों ने मुझे अति प्रभावित किया, एक यह कि उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि समाज में इस्लाम के विरुद्ध आशंकाएँ मौजूद हैं और ये चीज़ें मैं अपने विद्यार्थियों के अन्दर देखती रहती हूँ। दूसरी चीज़ जिसकी मैं बड़ी सराहना करती हूँ वह ख़लीफ़ः का न्यूक्लियर हथ्यिारों के उपयोग के विरुद्ध चेतावनी देना था। आजकल की परिस्थितियों में इस प्रकार का विवेक पूर्ण सन्देश सुनकर बड़ा अच्छा लगा।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया कि ज़ायन की मस्जिद फ़त्ह अज़ीम में डोवी के मुबाहिले के संदर्भ में एक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने मजमूअः इश्तिहारात जिल्द सोम (हज़रत मसोह माऊद अलहिस्सलाम क संकलित विज्ञापन, भाग-3) में 32 समाचार पत्रों के नाम लिखे हैं जिनमें इस मुबाहिले का वर्णन हुआ था। अहमदिया जमाअत अमरीका के अनुसंधान के अनुसार 128 समाचार पत्र ऐसे मिले हैं जिनमें इस मुबाहिले का वर्णन है। इस प्रकार केवल अमरीका के कुल 160 समाचार पत्रों में वर्णन हुआ। ये समस्त समाचार पत्र डिजिटल रूप में इस प्रदर्शनी में मौजूद थे। इस प्रकार विभिन्न समाचार पत्र तथा न्यूज़ चैनल्ज़ में भी मेरे दौरे के विषय में समाचार प्रसारित हुए।

हुज़ूर-ए-अनवर ने ईसाइयत से अहमदी होने वाले एक अमरीकन नौ-मुबाय करस्टोफ़र साहब की बैअत का वर्णन करते हुए फ़रमाया कि इस बैअत से पुराने तथा विभिन्न देशों से आने वाले प्रवासी अहमदियों पर भी एक अच्छा प्रभाव हुआ तथा उन्हें भी बैअत करने का अवसर मिल गया जिससे बड़ी भावुक अवस्था उत्पन्न हो गई थी। अतएव अल्लाह तआला ने इस दौरे को सामूहिक रूप से हर एक दृष्टि से अपने फ़ज़्ल प्रदान किए हैं, अल्लाह तआला भविष्य में भी सदैव प्रदान करता रहे।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا
مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا
عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ
وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, समपर्क करें-9781831652

टोल फ्री सम्पर्क अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान-18001032131